तीन पत्ती गुलाब-11

“गौरी ने टॉप के नीचे समीज या ब्रा नहीं पहनी थी तो मेरी निगाहें तो बस उसकी गोल नारंगियों और जीन पैंट में फंसी जाँघों और नितम्बों से हट ही नहीं रही थी। …”

Story By: prem guru (premguru2u)
Posted: Friday, August 16th, 2019
Categories: जवान लड़की
Online version: तीन पत्ती गुलाब-11

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तीन पत्ती गुलाब-11

 यह कहानी सुनें

> आज भी मैं थोड़ा जल्दी उठ गया था। मधुर ने बेडरूम में ही चाय पकड़ा दी थी। आज मैंने कई दिनों बाद पप्पू का मुंडन किया था और तेल लगाकर मालिश भी की थी। बाथरूम से फारिग होकर जब तक मैं बाहर आया तब तक मधुर स्कूल जा चुकी थी।
>
> गौरी तो जैसे मेरा इंतज़ार ही कर रही थी.

“गुड मोल्निंग सल” एक रहस्यमयी मुस्कान के साथ गौरी ने गुड मोर्निंग की।
“वैरी गुड मोर्निंग डार्लिंग !” मैंने गौरी को अपनी पारखी नज़रों से ऊपर से नीचे तक देखा।

आज गौरी ने भूरे रंग की जीन पैंट और टॉप पहना था। शायद आज गौरी ने टॉप के नीचे समीज या ब्रा नहीं पहनी थी तो मेरी निगाहें तो बस उसकी गोल नारंगियों और जीन पैंट में फंसी जाँघों और नितम्बों से हट ही नहीं रही थी।
गौरी मंद-मंद मुस्कुराते हुए मेरी इन हरकतों को देख रही थी।

“गौरी ! इस भूरी जीन पैंट में तो तुम पूरी क़यामत लग रही हो यार … खुदा खैर करे !”
“त्यों ?” गौरी ने बड़ी अदा के साथ अपनी आँखें तरेरी।
“कोई देख लेगा तो नज़र लग जायेगी.”
“बस-बस झूठी तालीफ़ लहने दीजिये.”

“मैं सच कह रहा हूँ। अगर कोई इन कपड़ों में तुम बाज़ार चली जाओ तो लोग तुम्हारी खूबसूरती को देखकर गश खाकर गिर पड़ेंगे.”
“तो पड़ने दीजिये मुझे त्या ?” गौरी ने हँसते हुए कहा।
सुबह-सुबह गौरी को अपनी सुन्दरता की तारीफ़ शायद बहुत अच्छी लगी थी।

“आपते लिए नाश्ता ले आऊँ ?”
“अरे यार नाश्ते के अलावा भी तो बहुत से काम होते हैं ?”
“वो… त्या होते हैं ?”
“अरे बैठो तो सही कितने दिनों से तुम्हारे साथ बात ही नहीं हो पाई।” मैंने गौरी का हाथ पकड़ कर सोफे पर बैठा लिया।
या अल्लाह… कितना नाज़ुक और मुलायम स्पर्श था। मेरा दिल जोर-जोर से धड़कने लगा था। कमोबेश गौरी की भी यही हालत थी।

“तुम्हारा तो मुझ से बात करने का मन ही नहीं होता ?”
“मैं तो बहुत बातें तलना चाहती हूँ पल …”
“पर क्या ?”
“वो … दीदी ते सामने तैसे करती ? बोलो ?”
“हाँ यह बात तो सही है।”
मैंने गौरी का एक हाथ अभी भी अपने हाथ में पकड़ रखा था।

“अरे गौरी ?”
“हुम्म ?”
“वो… गिफ्ट कैसी लगी तुमने तो बताया ही नहीं ?”
“बहुत बढ़िया है। मेरी बहुत दिनों से ऐसी ही घड़ी ती इच्छा थी।”
“देखो मैंने तुम्हारी इच्छा पूरी कर दी और तुमने तो मुझे धन्यवाद भी नहीं दिया ?” मैंने

हंसते हुए उलाहना दिया।
“थैंत्यू ?” गौरी ने थैंक यू की माँ चोद दी।

“कोई ऐसे बेमन से थैंक यू बोलता है क्या ?”
“तो ?”
मैंने उसके हाथ को पहले तो शेकहैण्ड की मुद्रा में दबाते हुए हिलाया और फिर उसके हाथ को अपने होंठों से चूम लिया।
“ऐसे करते हैं थैंक यू ? समझी ?” कह कर मैं हंसने लगा।

गौरी तो शर्मा कर गुलज़ार ही हो गई। उसने कुछ बोला तो नहीं पर उसकी तेज होती साँसों के साथ छाती का ऊपर नीचे होता उभार साफ़ महसूस किया जा सकता था। उसकी नारंगियों के कंगूरे तो भाले की नोक की तरह तीखे हो गए थे। मैं चाहता था वह इस चुम्बन को अभी साधारण रूप में ले और असहज महसूस ना करे … इसलिए बातों का सिलसिला अब बदलने की जरूरत थी।

“अरे गौरी ! वो… तुम्हारी पढ़ाई लिखाई कैसी चल रही है ?
“थीत चल लही है।”
“आजकल मैडम क्या पढ़ा रही हैं ?”
“2 दिनों से तो हिंदी पढ़ा लही हैं”
“हिंदी में तो कबीर और रहीम आदि के दोहे वगैरह भी पढ़ाती होंगी ?”
“हओ… ये दोहे भी बड़े अजीब से होते हैं पेली बाल (पहली बार) में तो समझ में ही नहीं आते ?”
“कैसे ?”
“कल दीदी ने मुझे तबील (कबीर) ता एक दोहा पढ़ाया। आपतो सुनाऊँ ?”
“हाँ… हाँ… इरशाद !”

‘प्रेम-गली अति सांकरी, तामें दो न समाहिं।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहिं।’

मैं दोहा सुनकर हंसने लगा। और गौरी भी खिलखिला कर हंसने लगी।

हालांकि कबीर ने प्रेम और परमात्मा के बारे में कुछ कहा होगा पर मैं सोच रहा था कि अगर कबीर की जगह कोई प्रेमगुरु होता तो यही लिखता कि ‘एक चूत में दो-दो लंड नहीं समां सकते।’

“ये कबीरजी भी जरूर थोड़े आशिक मिजाज रहे होंगे ? कितनी गन्दी बात सिखा रहे हैं.” कह कर मैं जोर जोर से हंसने लगा।
मेरा अंदाज़ा था गौरी फिर शर्मा जायेगी पर आज गौरी ने ना तो ‘हट’ कहा और ना ही शर्माने की कोशिश की।

“अले नहीं … पहले मैं भी यही समझी थी पल बाद में दीदी ने इसता सही अल्थ (अर्थ) समझाया।” अब वह भी हंसने लगी थी। उसे लगा कि मैं भी निरा लोल ही हूँ और शायद उसकी तरह पहली बार में मुझे भी इस दोहे का अर्थ समझ नहीं आया होगा।

“क्या समझाया ?”
दीदी ने बताया कि ‘जब हम परमात्मा से सच्चा प्रेम करते हैं तो दोनों का अस्तित्व एक हो जाता है फिर वहाँ दूसरे की संभावना नहीं रहती और द्वेत का भाव (अपने से अलग अस्तित्व होने की अनुभूति) समाप्त हो जाती है।’

अब मैं सोच रहा था जब लंड चूत में जाता है तब भी तो यही होता है। दोनों शरीर और आत्मा एक हो जाते हैं। अब बकोल मधुर आप इसे प्रेम मिलन कहें, सम्भोग कहें या फिर चुदाई या प्रेम गली ? क्या फर्क पड़ता है ?

“हा… हा… हां… कमाल है। मैं तो कुछ और ही समझा था.” मैंने हंसते हुए यह दर्शाया कि मुझे भी गौरी की तरह इसका अर्थ पहली बार में समझ नहीं आया ताकि उसे हीन भावना की अनुभूति ना हो।
गौरी भी अब तो जोर-जोर से हंसने लगी थी।

दोस्तों अब अगले सबक (सोपान) का उपयुक्त समय आ गया था।

मैंने गौरी का हाथ अभी भी अपने हाथ में ले रखा था। हे भगवान्! उसकी नाजुक अंगुलियाँ कितनी लम्बी और पतली हैं अगर इन अँगुलियों से वह मेरे पप्पू को पकड़ कर हिलाए तो आसमान की बजाये जन्नत यहीं उतर आये।

“अरे गौरी!”
“हओ?”
“तुम्हारे हाथ पर तो तिल है?” मैंने उसकी दांयी कलाई गौर से देखते हुए कहा।
“तिल होने से त्या होया है?” गौरी ने हैरानी भरे अंदाज़ में पूछा।
“अरे भाग्यशाली व्यक्ति के हाथ पर या कलाई पर तिल होता है।”
“अच्छा?” उसने आश्चर्य से मेरी ओर देखा।

“हाँ… मैं सच कह रहा हूँ ऐसे जातक बहुत ही धनवान, साहसी और खूब खर्चीले होते हैं उनके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं।”
“पल मेले पास पैसे और धन-दौलत तहां है?” उसने आश्चर्य से मेरी ओर देखते हुए कहा जैसे मेरी बात पर उसे यकीन ही नहीं हुआ हो।
“अरे! भगवान ने तुम्हें खूबसूरत हुश्न की कितनी बड़ी दौलत दी है और तुम बोलती हो मेरे पास धन और दौलत नहीं है?”
“प… ल…” उसे अब कुछ-कुछ विश्वास होने लगा था।

“एक और बात है… लड़कियों का भाग्य 18 साल के बाद बदल जाता है। अच्छा बताओ तुम्हारी जन्म तिथि क्या है ?”
“जन्म तिथि तो पता नहीं पल मैं 18 ती हो गयी हूँ। मम्मी बताती हैं ति मेला जन्म नवलात्लों (नवरात्रों में गौरीपूजन के दिन) में हुआ था इसीलिए मेला नाम गौली लखा है।”
“यही तो मैं बोल रहा हूँ ? देखो अब तुम्हारा भाग्य भी बदलने शुरुआत हो चुकी है।”

गौरी अब कुछ सोचने लग गई थी। शायद उसे अब लगने लगा था कि यहाँ आने के बाद उसकी तकदीर बदल जाने वाली है। यहाँ आने के बाद मैंने उसे जो सुनहरे सपने देखने सिखाए थे उन्हें अब वह हकीकत (मूर्त रूप) में देखने लगी है।
“आपको हाथ भी देखना आता है ?”
“हओ, ज्यादा तो नहीं पर मोटी-मोटी बातें तो बता सकता हूँ.”

“मेला भी हाथ देखतल बताओ ना प्लीज ?” गौरी अब अपने भविष्य जानने के लिए बहुत उत्सुक नज़र आने लगी थी।
“ऐसे नहीं, तुम दूर बैठी हो ऐसे में हाथ देखने में थोड़ी असुविधा होगी. तुम मेरे साथ ही सोफे पर इधर ही बैठ जाओ, फिर तसल्ली से हाथ देखता हूँ।”

गौरी कुछ सोचते और सकुचाते हुए मेरे पास बगल में सोफे पर बैठ गई। बाहर सावन की बारिश की हल्की फुहारे पड़ रही थी और यहाँ उसके कुंवारे बदन से आती खुशबू तो मुझे अन्दर तक हवा के शीतल झोंके की तरह मदहोश करती जा रही थी। उसकी एक जांघ मेरे पैर से छू रही थी। लंड तो चूत और गांड की खुशबू पाकर जैसे पाजामें में कोहराम ही मचाने लगा था और गौरी किसी हसीन सपने में जैसे खो सी गई थी।

“अरे वाह…” मैंने अँगुलियों से उसके हाथ को पकड़ते हुए उसके हाथ की लकीरों को बड़े गौर से देखते हुए कहा।

“त्या हुआ ?”
“भई कमाल की रेखाएं हैं तुम्हारे हाथ में ?” मैंने थोड़ा संशय बरकरार रखते हुए कहा।
अब तो गौरी की उत्सुकता और भी बढ़ गई।

मेरा अंदाजा है मधुर ने भी उसका हाथ और तिल देख कर उसे जरूर कुछ बताया होगा पर शायद गौरी अब उन बातों की तस्दीक (पुष्टि) कर लेना चाहती होगी।

वैसे गौरी के हाथ की रेखाएं ठीक-ठाक ही थी। शुक्र पर्वत उभरा हुआ था और कनिष्का अंगुली के नीचे दो स्पष्ट रेखाएं नज़र आ रही थी। इसका मतलब इसके जीवन में दो से अधिक पुरुषों का योग है और साथ ही चुदाई का खूब मज़ा मिलने वाला है। भाग्य रेखा भी ठीक-ठाक लग रही थी। विद्या की रेखा कुछ ख़ास नहीं थी पर मुझे तो उसे प्रभावित करना था।

“ओहो… बताओ ना प्लीज ?” गौरी ने आजकल ‘प्लीज’ भी बोलना सीख लिया है।
“देखो यह जो अंगूठे के नीचे दो लाइनें बनी हैं उसका मतलब है तुम्हें दो संतान होंगी और पहली संतान लड़का ही होगा और बहुत सुन्दर।”
“औल…” गौरी थोड़ा शर्मा सी गई पर उसने ज्यादा कुछ नहीं बोला।

“और ये को अंगूठे के नीचे हथेली की ओर का उभरा हुआ सा भाग है ना ?”
“हओ ?”
मैं बोलने तो वाला था कि ‘अपने जीवन में तुम्हारी आगे और पीछे दोनों तरफ से खूब जमकर ठुकाई होने वाली है.’ पर प्रत्यक्षत: मैंने इसे घुमा फिरा कर कहना लाज़मी समझा
“यह दर्शाता है कि तुम्हें बहुत प्रेम करने वाला पति या प्रेमी मिलेगा.”

ईईइस्स्स्स … अब तो गौरी मारे शर्म के दोहरी ही हो गई। उसके चहरे पर एक चमक सी आ गई थी।

“और हथेली पर यह जो रेखा है ना सबसे ऊपर वाली ?”
“हओ ?”
“इसे हृदय रेखा कहते हैं। यह बताती है कि तुम बहुत साहसी और मजबूत हृदय की हो। तुम बहुत सोच समझ कर अपना निर्णय लेने में सक्षम हो। और यह रेखा इस बात का भी इशारा करती है कि तुम किसी का दिल कभी नहीं दुखा सकती। तुम एकबार जिसे अपना बना लेती हो उसकी हर बात भी मानती हो और हर तरह से सहायता भी करती हो। बस एकबार सोच लिया कि यह काम करना है तो फिर तुम किसी की नहीं सुनती.” मुझे दबंग फिल्म वाला डायलाग (संवाद) ‘मैंने एक बार कमिटमेंट कर लिया तो फिर मैं अपने आप की भी नहीं सुनता’ चिपका दिया।

“हाँ यह बात तो सही है।” गौरी को अब मेरी बातों पर यकीन होना शुरू हो गया था। उसकी आँखों की चमक से तो यही जाहिर हो रहा था। मेरा अंदाज़ा है शायद मधुर ने भी उसे थोड़ा बहुत इसी तरह का जरूर कुछ बताया होगा।

मेरी एक जांघ अब उसकी जांघ से बिलकुल सटी थी। हाथ देखने के बहाने मेरा हाथ कई बार उसकी जाँघों को भी छू जाता था। एक दो बार तो उसकी सु-सु के ऊपर भी लग गया था। मेरे ऐसा करने से गौरी ने अपनी एक जांघ को दूसरी के ऊपर रख लिया था। चूत गर्मी और खुशबू से पप्पू तो दहाड़ें ही मारने लगा था।

बार-बार मेरी नज़र उसके खुले बटनों वाली शर्ट के अन्दर छुपे उस खजाने की ओर बरबस खिंची चली जा रही थी जहां उसने दो कलसों में अमृत छिपा रखा था। जब वह थोड़ा सा झुकती है तो कंगूरों को छोड़कर पूरा खजाना ही नुमाया हो जाता है।
हे लिंग देव ! इसके एक उरोज के ऊपर तो एक तिल भी है। याल्लाह… कितनी मादकता भरी है इन अमृत कलसों में। अगर एक बार इनका रस पीने मिल जाए तो आदमी मदहोश ही हो जाए। मैं तो उसकी गोलाइयों की घाटियों में जैसे डूब सा गया था।

“हुम्… ओल ?”
मैं गौरी की आवाज से चौंका।
“और हाँ… गौरी ये जो तुम्हारी कलाई पर तिल है ना ?”
“हओ ?”
“इसका मतलब है धन-दौलत की तुम्हारे पास कभी कोई कमी नहीं आएगी और तुम जी भर के अपनी सारी इच्छाओं को पूरा करोगी। ऐसी स्त्री जातक पुत्रवान, सौभाग्यवती, धार्मिक व दयालु प्रवृति की होती हैं।”
“त्या पता ?”
“अरे तुम्हें मेरी बातों पर यकीन नहीं हो रहा ना ?”
“नहीं… वो… बात नहीं है ?”
“तो… ?”
“मैं सोच लही हूँ मैं इतनी भाग्यशाली तैसे हो सतती हूँ ?”
“अच्छा तुम एक बात और बताओ ?”
“त्या ?”
तुम्हारे और कहाँ-कहाँ तिल हैं ?”
“एक तो मेली ठोडी पल है.”

“वो तो दिख ही रहा है। इसीलिए तो तुम फ़िल्मी हिरोइन की तरह इतनी खूबसूरत हो। जिस स्त्री जातक की ठोड़ी पर तिल होता है वह खूबसूरत होने के साथ बहुत ही ईमानदार और स्पष्टवादी होती है और वह किसी का दिल तो तोड़ ही नहीं सकती। एक और बात है वह जातक बहुत शर्मीली होती है और उसे आम भाषा में लाजवंती स्त्री कहते हैं।” मैंने हंसते हुए कहा।

अब तो गौरी का रूप गर्विता बनना लाज़मी था।
“मेले पैल पल भी एक तिल है।”

“पैर पर कहाँ ? निश्चित जगह बताओ ?”
“वो… वो… घुटने से थोड़ा ऊपल”
“जांघ पर है क्या ?”
“हओ” गौरी ने शर्माते हुए हामी भरी।
“मुझे पता था.”

“आपतो तैसे पता ? दीदी ने बताया ?” गौरी ने चौंकते हुए पूछा।
“अरे नहीं यार… जिन खूबसूरत लड़कियों की ठोड़ी या होंठों के ऊपर तिल होता है उनके गुप्तांगों के आस-पास या जांघ पर भी तिल जरूर होता है।” मैंने हंसते हुए कहा। कोई और मौक़ा होता तो गौरी जरूर शर्मा कर रसोई या अपने कमरे में भाग जाती पर आज वो थोड़ा शर्माते हुए भी वही बैठी रही।

मैंने अपनी बात चालू रखी- जिस स्त्री के गुप्तांगों के पास दायीं ओर तिल हो तो वह राजा अथवा उच्चाधिकारी की पत्नी होती हैं जिसका पुत्र भी आगे चलकर अच्छा पद प्राप्त करता है।

कहानी जारी रहेगी.
premguru2u@gmail.com

Other stories you may be interested in

माँ बेटी दोनों चुद गईं

दोस्तो, ये कहानी मुझे मेरी एक परिचिता ने मुझे भेजी थी. आप उसकी ही जुबान में इस सच्ची कहानी का मजा लीजिएगा. मैं एक शादीशुदा खातून हूँ. मेरी उम्र इस समय करीब 52 साल है. मेरा एक ही बेटा है, […]
Full Story >>>

तीन पत्ती गुलाब-10

सुबह के लगभग 8 बजे हैं। रात को थोड़ी बारिश हुई थी इस वजह से मौसम आज थोड़ा खुशगवार (सुहावना) सा लग रहा है। अक्सर ऐसे मौसम में मधुर नाश्ते में चाय के साथ पकोड़े बनाया करती है। पर आजकल […]
Full Story >>>

तीन पत्ती गुलाब-9

गौरी को उसके घर के पास ड्राप करने के बाद ऑफिस जाते समय मैं सोच रहा था 'साली यह नौकरी भी एक फजीहत ही तो है। पता नहीं ये पढ़ाई-लिखाई, नौकरी चाकरी, घर-परिवार, रिश्ते-नाते, शादी-विवाह, बालिग-नाबालिग किस योनि निष्कासित (भोसड़ी […]
Full Story >>>

नॉनवेज स्टोरी : रिश्तों में चुदाई स्टोरी-6

नॉनवेज स्टोरी में पढ़ें कि कैसे एक ससुर अपनी जवान और हसीन बहू को अपनी कामवासना का शिकार बनाना चाह रहा है. जब उसकी बेटी को अपने पिता की नियत का पता चला तो … मेरी नॉनवेज स्टोरी के पिछले […]
Full Story >>>

सहेली की मदद को उसके भाई को फंसाया-1

हैलो मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हैं आप सब ? उम्मीद करती हूँ आप सब मजे में होंगे. और जो मजे में नहीं हैं, वे आगे कहानी पढ़ कर मजे लें। मैं सुहानी चौधरी एक बार फिर से आप सबका अपनी अगली […]
Full Story >>>